सत्यमेव जयते

स्कूल शिक्षा शगुन

एकीकृत ऑनलाईन जंक्शन

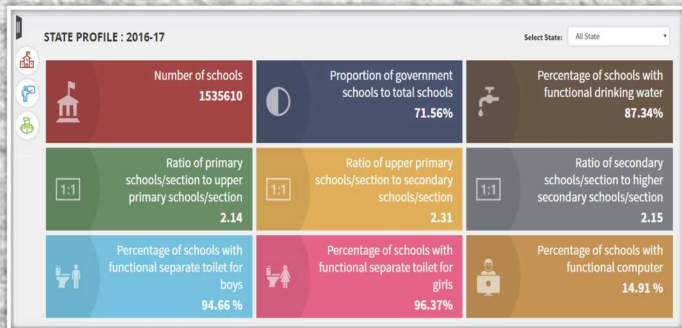

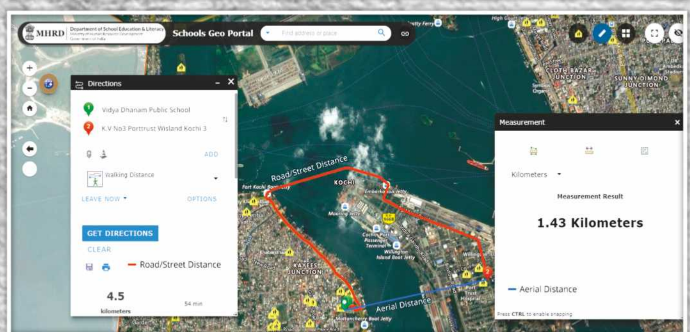

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

एमएचआरडी, भारत सरकार

रमेश पोखरियाल 'निशंक'
Ramesh Pokhriyal 'Nishank'

सत्यमेव जयते

मंत्री
मानव संसाधन विकास
भारत सरकार
MINISTER
HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT
GOVERNMENT OF INDIA

आमुख

स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा निर्मित एवं विकसित किए गए 'एकीकृत ऑन-लाईन जंक्शन' से सूचना-संकलन की प्रक्रिया अत्यधिक लाभप्रद, सरल एवं सुलभ होगी। इससे सभी हितधारकों को अत्यधिक लाभ होगा क्योंकि इससे सूचनाओं का एकीकरण होगा और इसमें विद्यालयी शिक्षा क्षेत्र की सभी सूचनाएं उपलब्ध होंगी। परिकल्पित 'एकीकृत राष्ट्रीय स्कूल शिक्षा कोष (इनसेट)' न केवल निर्बाध, अत्याधुनिक सूचना प्रसारण तंत्र होगा वरन् यह आधुनिक तकनिकों का भण्डार-गृह भी होगा जिससे अधिगम एवं शिक्षण में सुधार के लिए उच्च गुणवत्तापूर्ण ई-अध्ययन सामग्री को सृजित किया जा सके।

इस पुस्तिका में 'एकीकृत ऑन-लाईन जंक्शन' के लाभों को स्पष्ट तौर पर दर्शाया गया है इसलिए मुझे इस पुस्तक की प्रशंसा करते हुए हर्ष हो रहा है और मुझे विश्वास है कि यह सभी हितधारकों के लिए सूचनापरक एवं उपयोगी सिद्ध होगी। मैं विभाग को इस सराहनीय कार्य के लिए धन्यवाद देता हूं और भविष्य में उनके द्वारा किये जाने वाले प्रयासों के लिए अग्रिम शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

(रमेश पोखरियाल 'निशंक')

सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा।

स्वच्छ भारत

Room No. 3, 'C' Wing, 3rd Floor, Shastri Bhavan, New Delhi-110 115
Phone : 91-11-23782387, 23782698, Fax : 91-11-23382365
E-mail : minister.hrd@gov.in

स्कूल शिक्षा शगुन
एकीकृत ऑनलाईन जंक्शन

एकीकृत ऑनलाइन जंक्शन के सृजन का औचित्य

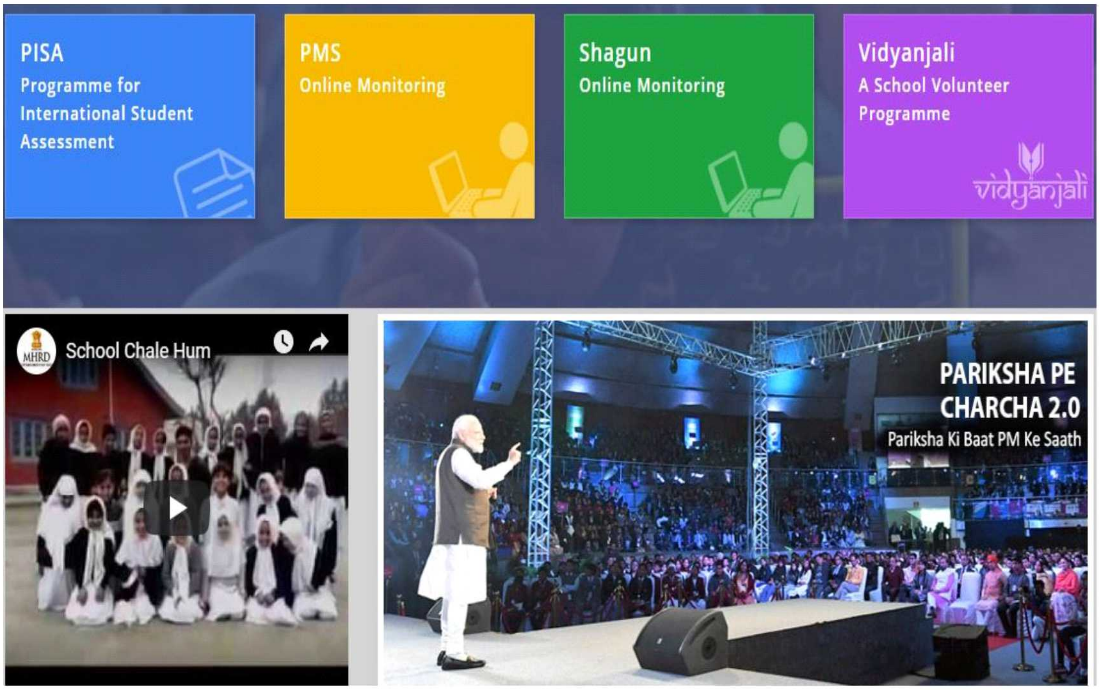

- स्कूल शिक्षा से संबंधित वेब संसाधनों को समग्र रूप से पहुंच के भीतर लाने के लिए स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने विभाग और राज्य एवं संघ राज्य क्षेत्रों (यूटी) से संबंधित सभी पोर्टलों और बेवसाइटों के जंक्शन का सृजन किया है।
- इस जंक्शन पर 80 से अधिक पोर्टल और वेबसाइटें हैं, जिनमें योजनाओं, स्वायत्त निकायों, मॉनीटरिंग एप्स और पोर्टल से संबंधित पोर्टल और वेबसाइट तथा राज्यों तथा संघ राज्य क्षेत्रों की स्कूल शिक्षा संबंधी बेवसाइटें शामिल हैं। सभी एससी आरटी और डीआईईटी की साइटों को मिलाने पर अंतिम संख्या 700 से अधिक होगी।
- वर्तमान में, इन सभी पोर्टलों और वेबसाइटों से उनके लिए विशिष्ट। क्षेत्रों के बारे में जानकारी मिलती है। इससे किसी विशेष गतिविधि अथवा उत्पाद की सूचना प्राप्त करना मुश्किल हो जाता है, जो एकाधिक संगठनों द्वारा उत्पादित/सृजित की जा रही हैं। उदाहरण के लिए, कई संगठनों यथा–एनसीईआरटी, सीबीएस , केवीएस और राज्य एवं संघ राज्यों तथा स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा ई–लर्निंग की सामग्री तैयार करते समय उन्हें एक साथ प्राप्त करना मुश्किल होता है, क्योंकि वे अलग–अलग पोर्टलों/वेबसाइटों पर उपलब्ध हैं।

'जंक्शन' नाम इसलिए दिया गया है क्योंकि यह प्रयोगकर्ता को एक ही स्थान पर आंकड़ें और सूचना प्रदान करने के लिए सभी संबंधित पोर्टलों और वेबसाइटों का एक स्थान पर मिलन बिंदु है।

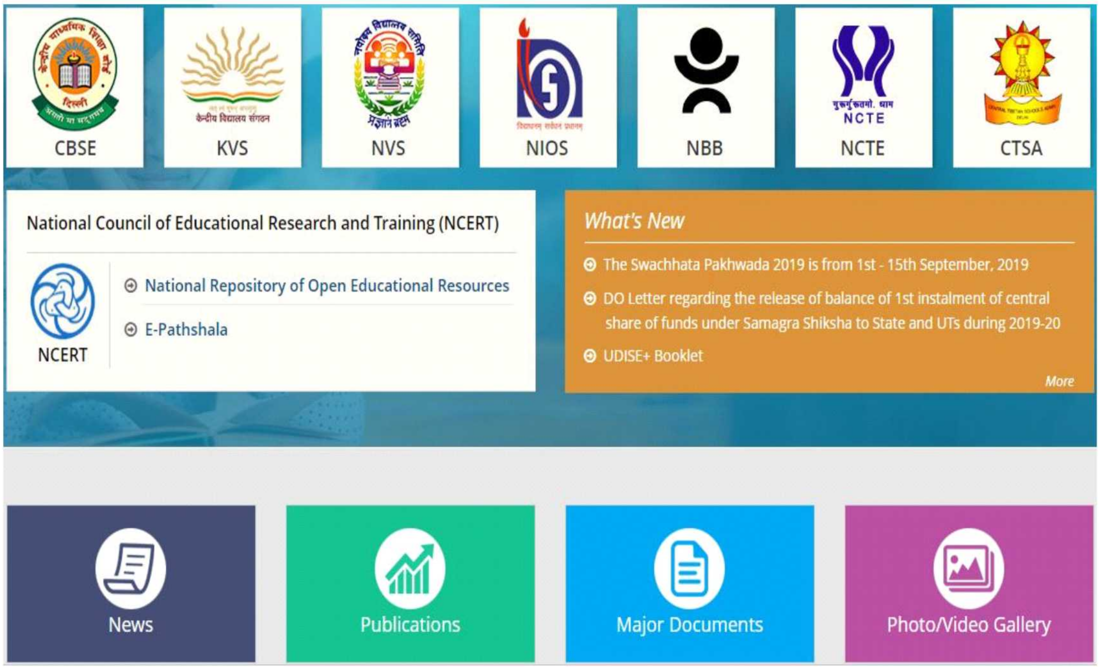

- शिक्षा क्षेत्र की व्यापक समझ के लिए इन सिलोस को समाप्त करना और सूचना को समग्र रूप से प्रस्तुत करना अनिवार्य है। अतः सभी ई–लर्निंग सामग्री एक ही मंच से प्राप्य होनी चाहिए, जिससे छात्रों और शिक्षकों के लिए एक संसूचित चयन करना सहज हो सके।

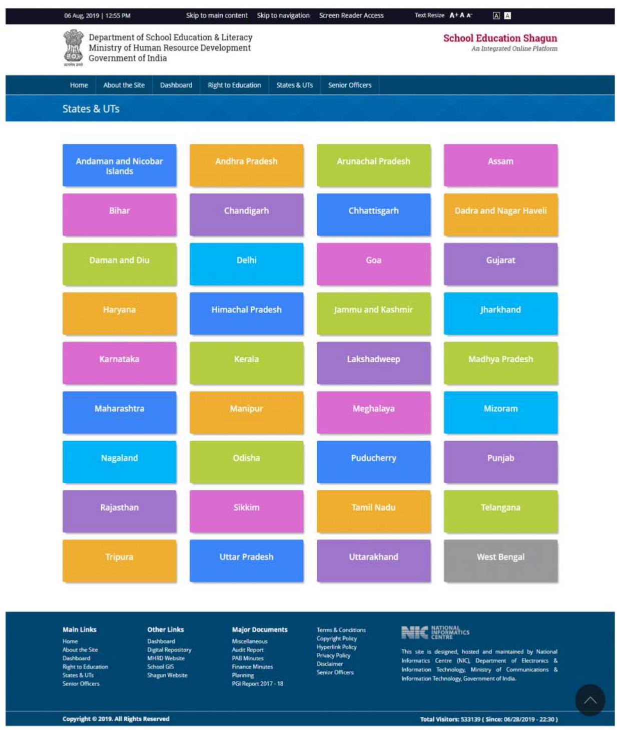

- स्कूल शिक्षा सगुन का उद्देश्य इस जंक्शन के सृजन द्वारा **छात्र**, **शिक्षक**, **प्रधानाचार्य** और स्कूल–पर ध्यान केन्द्रित करता है, जिन्होंने सूचना प्रणाली के बहु और सिलोड ढ़ांचे के सम्मिश्रण से अपना महत्व खो दिया है। यह मुख्य मुद्दों पर सूचना की उपलब्धता भी प्रदान करता है।
- निम्नलिखित सेक्शन इन विषयों में से कुछ पर प्रकाश डालते हैं और जंक्शन पर आकर उन विषयों के बारे में प्रयोगकर्ता व्यापक जानकारी प्राप्त कर सकता है।

स्कूल और शिक्षक

देश भर के स्कूलों स्थानों और ब्यौरों के बारे में सूचना का एकल स्रोत

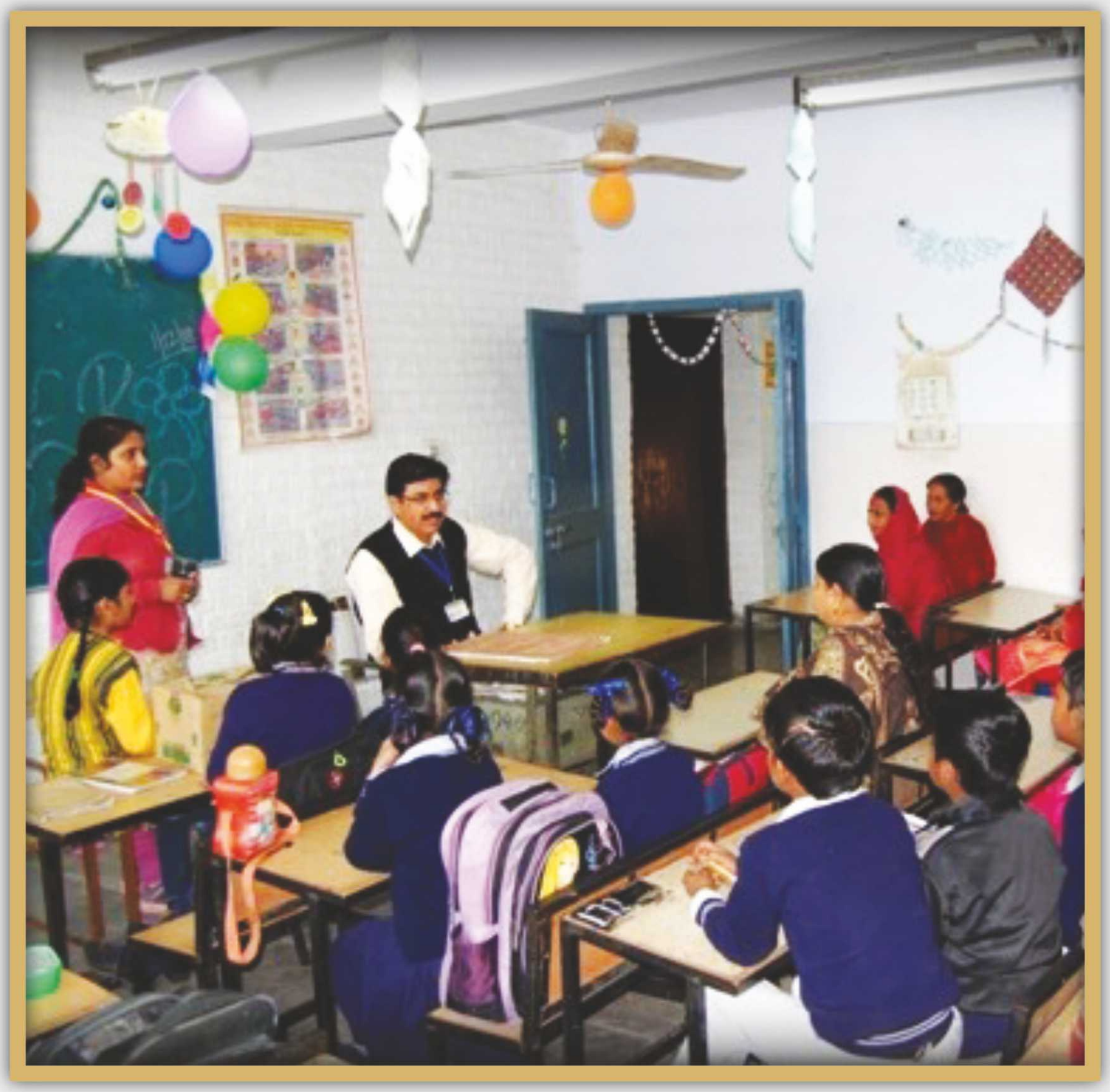

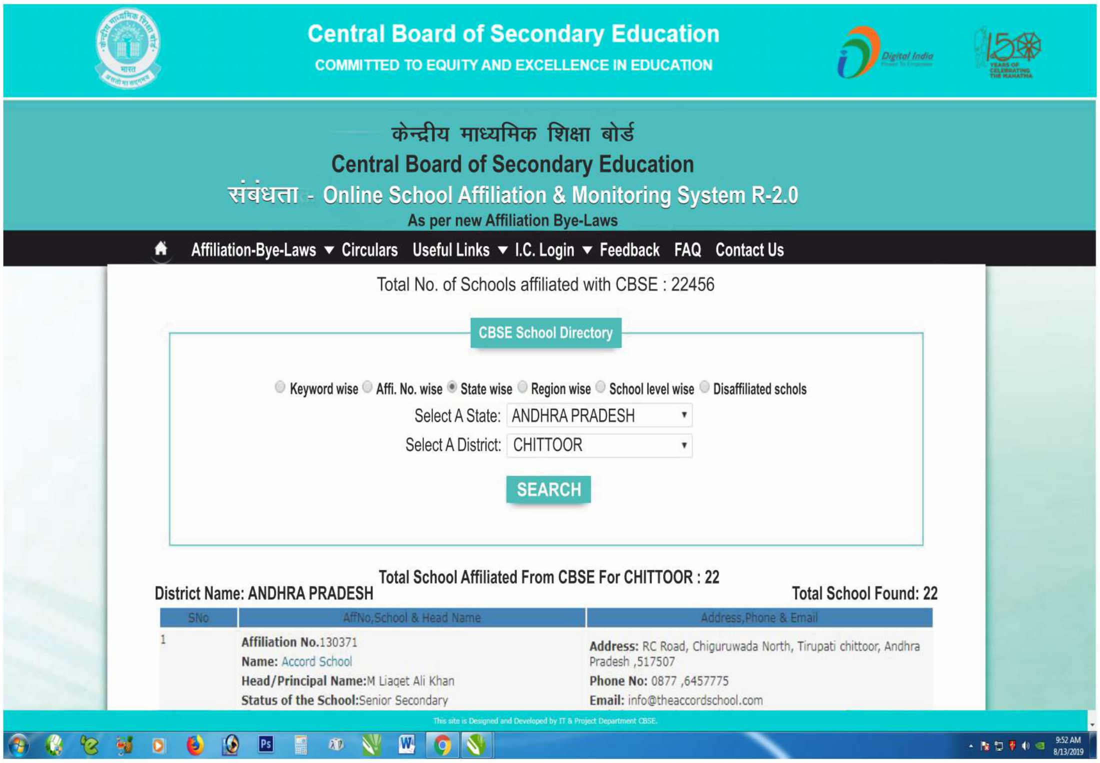

Central Board of Secondary Education
COMMITTED TO EQUITY AND EXCELLENCE IN EDUCATION
केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
Central Board of Secondary Education
संबंधता - Online School Affiliation & Monitoring System R-2.0
As per new Affiliation Bye-Laws
Affiliation-Bye-Laws
Circulars
Useful Links
I.C. Login
Feedback
FAQ
Contact Us
Total No. of Schools affiliated with CBSE : 22456
CBSE School Directory
Keyword wise
Affi. No. wise
State wise
Region wise
School level wise
Disaffiliated schols
Select A State: ANDHRA PRADESH
Select A District: CHITTOOR
SEARCH
Total School Affiliated From CBSE For CHITTOOR : 22
District Name: ANDHRA PRADESH
Total School Found: 22
SNo
AffNo,School & Head Name
Address,Phone & Email
1
Affiliation No.130371
Name: Accord School
Head/Principal Name:M Liaqet Ali Khan
Status of the School:Senior Secondary
Address: RC Road, Chiguruwada North, Tirupati chittoor, Andhra Pradesh ,517507
Phone No: 0877 ,6457775
Email: info@theaccordschool.com
This site is Designed and Developed by IT & Project Department CBSE.

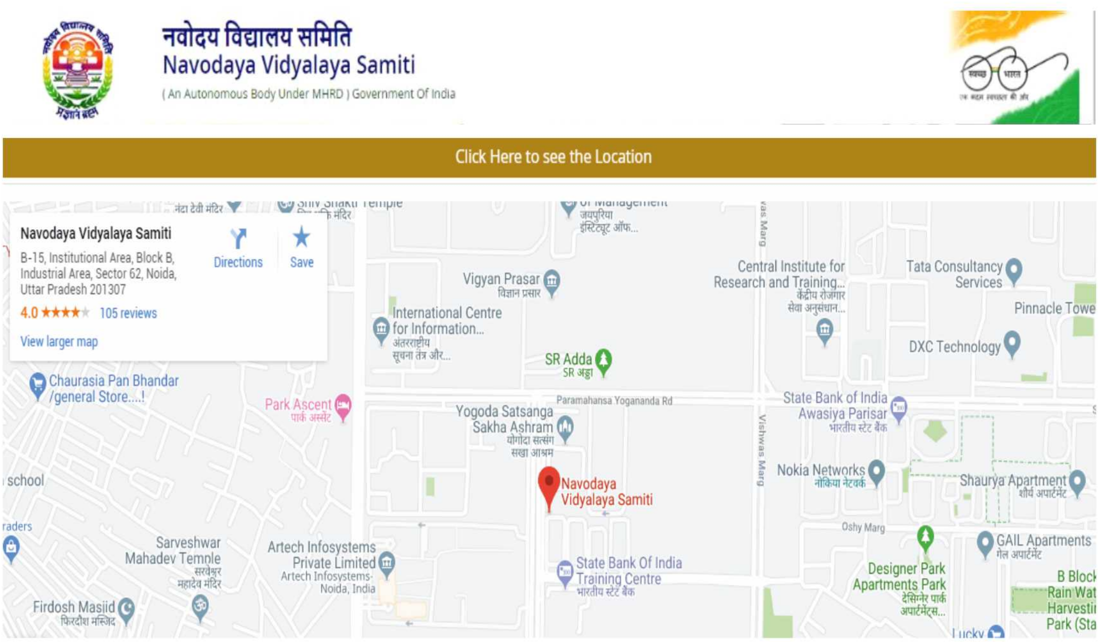

नवोदय विद्यालय समिति
Navodaya Vidyalaya Samiti
(An Autonomous Body Under MHRD) Government Of India
Click Here to see the Location
Navodaya Vidyalaya Samiti
B-15, Institutional Area, Block B, Industrial Area, Sector 62, Noida, Uttar Pradesh 201307
4.0
105 reviews
View larger map
Directions
Save
Vigyan Prasar
Central Institute for Research and Training...
Tata Consultancy Services
International Centre for Information...
SR Adda
DXC Technology
Chaurasia Pan Bhandar /general Store....!
Park Ascent
Yogoda Satsanga Sakha Ashram
State Bank of India Awasiya Parisar
Nokia Networks
Navodaya Vidyalaya Samiti
Shaurya Apartment
Sarveshwar Mahadev Temple
Artech Infosystems Private Limited
State Bank Of India Training Centre
Designer Park Apartments Park
GAIL Apartments
Firdosh Masjid

FRIDAY, AUGUST 9, 2019 14:34:56 | Click Here for KVS Annual Transfer Application - 2019. | Login | Language

केंद्रीय विद्यालय संगठन
KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN
मा सं वि मंत्रालय भारत सरकार के अधीन एवं स्वायत्त निकाय
AN AUTONOMOUS BODY UNDER MHRD, GOVERNMENT OF INDIA

KVS Directory

Select RO: - All - | Principal Name: | Sector: - All - | State: - All - | Search

Sr. No.	KV Name	Principal Name	Office Address	Email Address	Phone No	Website
1	KENDRIYA VIDYALAYA ALIGARH	PRACHI DIXIT	KENDRIYA VIDHYALAYA ALIGARH RAMGHAT ROAD ALIGARH NEAR PAC, DEVSAINI 202001	ppl.aligarh@kvs.gov.in	9084773474	https://aligarh.kvs.ac.in/
2	KENDRIYA VIDYALAYA MIRZAPUR	SOM PAL (I/C)	KENDRIYA VIDYALAYA MIRZAPUR, GOVT. INTER COLLEGE CAMPUS, MAHUARIYA, MIRZAPUR UTTAR PRADESH-231001	kvmirzapur@gmail.com	5442265611	https://mirzapur.kvs.ac.in
3	KENDRIYA VIDYALAYA AMHAT SULTANPUR	K P YADAV	KENDRIYA VIDYALAYA AMHAT SULTANPUR, NEAR-NAVEEN SABJEE MANDI SULTANPUR U.P. - 228001	ppl.amhatsultanpur@kvs.gov.in	5362231185	https://amhat.kv

- सभी स्कूल प्रणालियां स्कूलों के लिए वेबसाइट बनाने और उन्हें अपने पोर्टल से लिंक करने की प्रक्रिया में हैं ताकि उन्हें जंक्शन पर देखा जा सके।
- यह संभावना है कि सीबीएसई से संबद्ध 17606 निजी स्कूल, 1212 केन्द्रीय विद्यालय और 661 नवोदय विद्यालयों के साथ–साथ सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के 1,23,647 वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल जंक्शन पर होंगे।

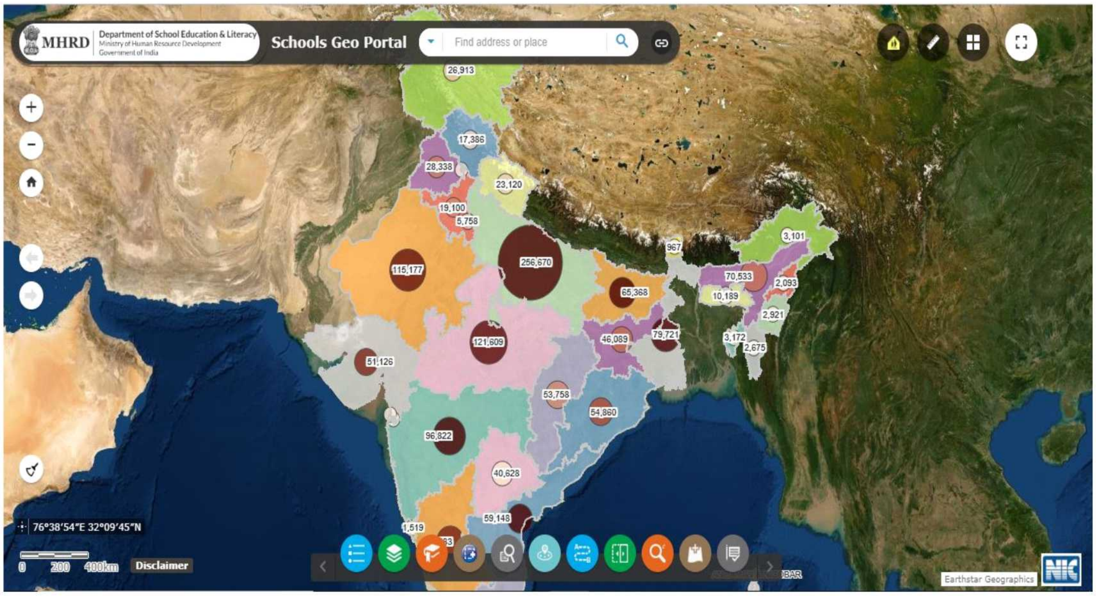

- सम्पूर्ण देश और विदेश में एनआईओएस अध्ययन केन्द्रों की अवस्थिति के संबंध में सूचना भी इस जंक्शन के माध्यम से उपलब्ध है। यह नोट करना उपयुक्त होगा कि एनआईओएस के अध्ययन केन्द्र जेलों और आर्मी के कार्यालयों में भी हैं जिससे शिक्षा को समाज के सभी वर्गों तक ले जाया जाता है।

- **जीआईएस आधारित मैपिंग** देश के सम्पूर्ण भू भाग में स्थित सहित सभी स्कूलों की अवस्थिति प्रदान करती है। जीआईएस प्रणाली की **रिपोर्ट कार्ड** सुविधा प्रत्येक स्कूल के बारे में विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराती है।

- इस प्रकार, इन सभी वेबसाइटों के एक स्थान पर एकीकृत होने से सभी प्रकार के स्कूलों और अध्ययन केन्द्रों से संबंधित संरचना तक पहुंच एक ही स्रोत के माध्यम से उपलब्ध है। इससे समग्र रूप से स्कूलों के बारे में विखंडित जानकारी में कमी आई है।

- यह पहली बार है कि 19,452 शिक्षक शिक्षा संस्थाओं (टीईआई) और 25727 पाठ्यक्रमों की क्षेत्र–वार जानकारी इस जंक्शन पर उपलब्ध है। सभी टीईआई की व्यक्तिगत वेबसाइटों के एकीकृत करने की प्रक्रिया जारी है।

देश में 15-58 लाख स्कूल, 92-56 लाख शिक्षक और 25 करोड़ से अधिक विद्यार्थी हैं।

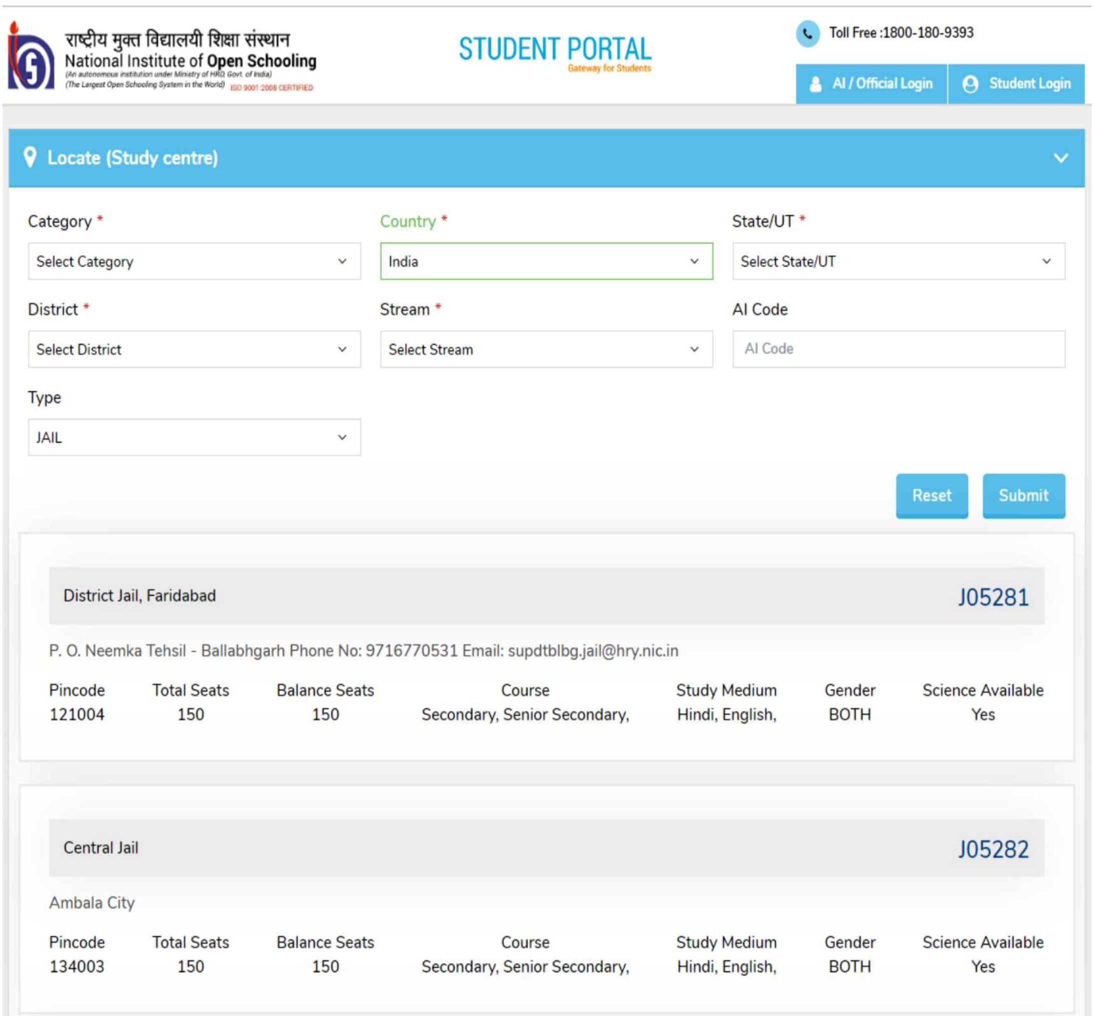

विद्यार्थी–शैक्षणिक सुधार सहायता

विद्यार्थियों के अधिगम सवंर्धन हेतु सभी ई-सामग्री एक स्थान पर हो

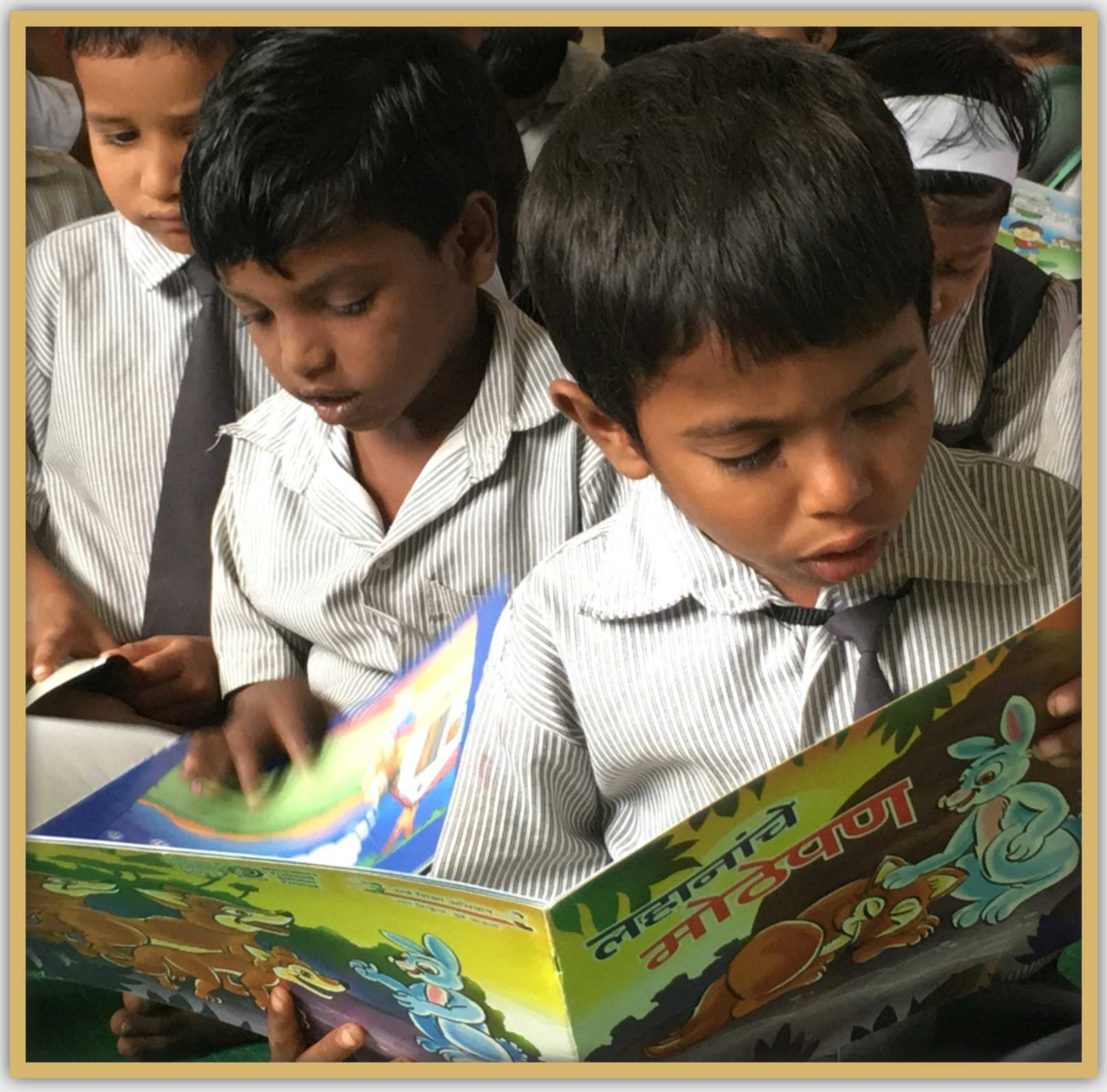

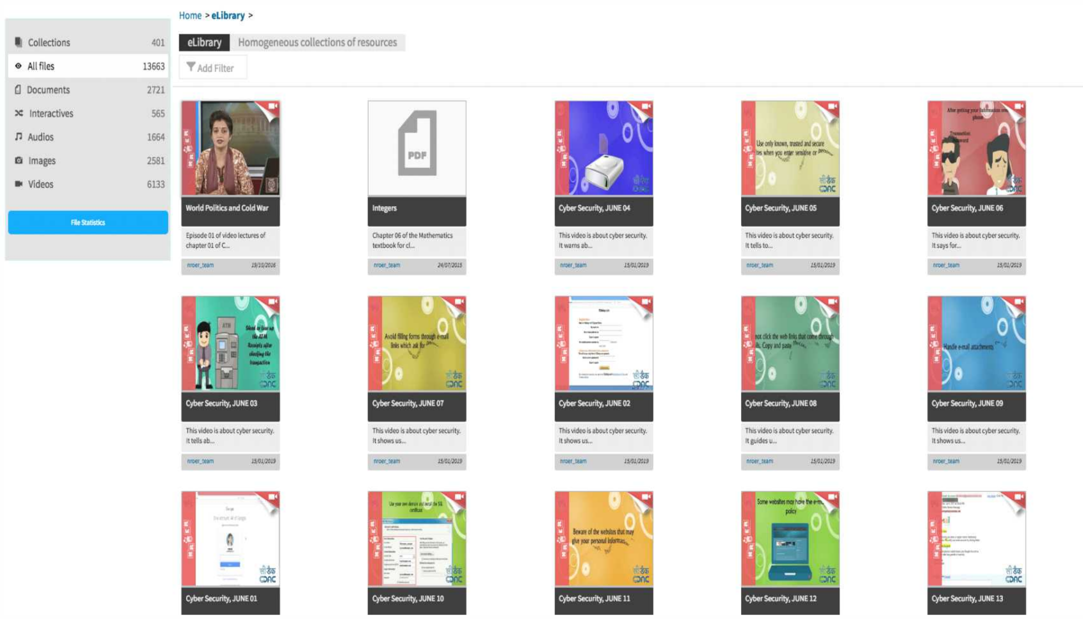

http://nroer.gov.in/welcome

- सक्रिय डिजिटल अधिगम को बढ़ावा देने हेतु, विभिन्न वेबसाइटों के एकीकरण के माध्यम से ई–अधिगम सामग्री वाली वेबसाइटों और पोर्टलों को एक साथ लाया गया है। राष्ट्रीय मुक्त शिक्षा संसाधन रिपोजिटरी (एनआरओईआर), ई–पाठशाला और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर फॉर नॉलेज शेयरिंग (दीक्षा) इनमें शामिल हैं।
- एनआरओईआर पर प्राथमिक, माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक कक्षाओं के लिए विभिन्न भारतीय भाषाओं और कई विषयों में शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध कराता है। इसमें बच्चे की सृजनात्मक क्षमता संवर्धन हेतु सामग्री भी उपलब्ध है।
- 14,000 से अधिक ई–संसाधनों को विकसित किया गया है और इन्हें यूजर पहुंच के साथ उपलब्ध कराया गया है। प्रख्यात हस्तियों जैसे श्री अरविंद गुप्ता के खिलौना बनाने से संबंधित कई प्रसिद्ध विडियो इस प्लेटफॉर्म पर मौजूद हैं।

- ई–पाठशाला पुस्तकों के डिजिटल संस्करण तक पहुंच प्रदान करती है और साथ ही शिक्षकों, विद्यार्थियों, अभिभावकों, शोधकर्ताओं और प्रशिक्षकों हेतु शैक्षणिक संसाधनों की मेजबानी करता है। इसके माध्यम से, विद्यार्थी पाठ्यपुस्तकों, ऑडियो, विडियो सहित सभी शैक्षणिक सामग्री तक पहुंच प्राप्त कर सकते हैं और जिन्हें यूजर द्वारा निःशुल्क डाउनलोड किया जा सकता है।
- दीक्षा स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग द्वारा प्रबंधित एक पोर्टल है, जो अधिगम को बढ़ावा देने के लिए वीडियो सामग्री उपलब्ध कराता है। इस पोर्टल पर उपलब्ध वीडियो विशेष कक्षा की पाठ्यचर्या, विषय और शीर्षक को प्रदर्शित करते हैं जिससे छात्र की शैक्षणिक सामग्री से संबद्धता में आसानी होती है।
- **ई-सामग्री के इन विभिन्न घटकों तक एकल स्रोत के माध्यम से पहुँच छात्रों को सशक्त बनाएगा और उन्हें सूचित विकल्प में सहायता करेगा।**

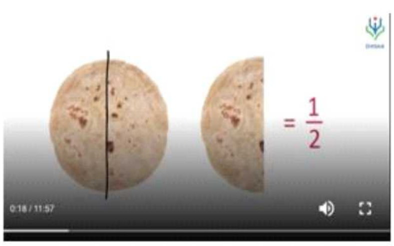

- Supplementary e-learning material for students

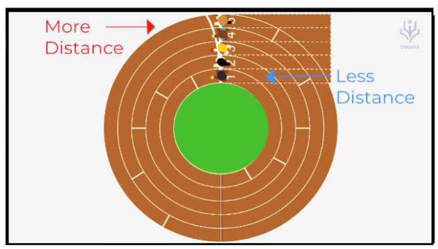

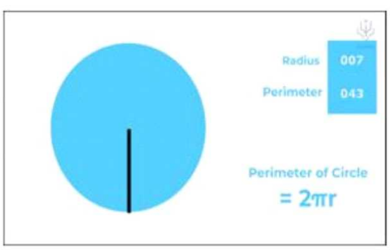

- E-Content for upgrading the skills of teachers

जंक्शन पर प्रतिस्पर्धा आधारित अधिगम कौशलों से संबंधित सूचना प्रदान करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय छात्र मूल्यांकन कार्यक्रम (पीसा)

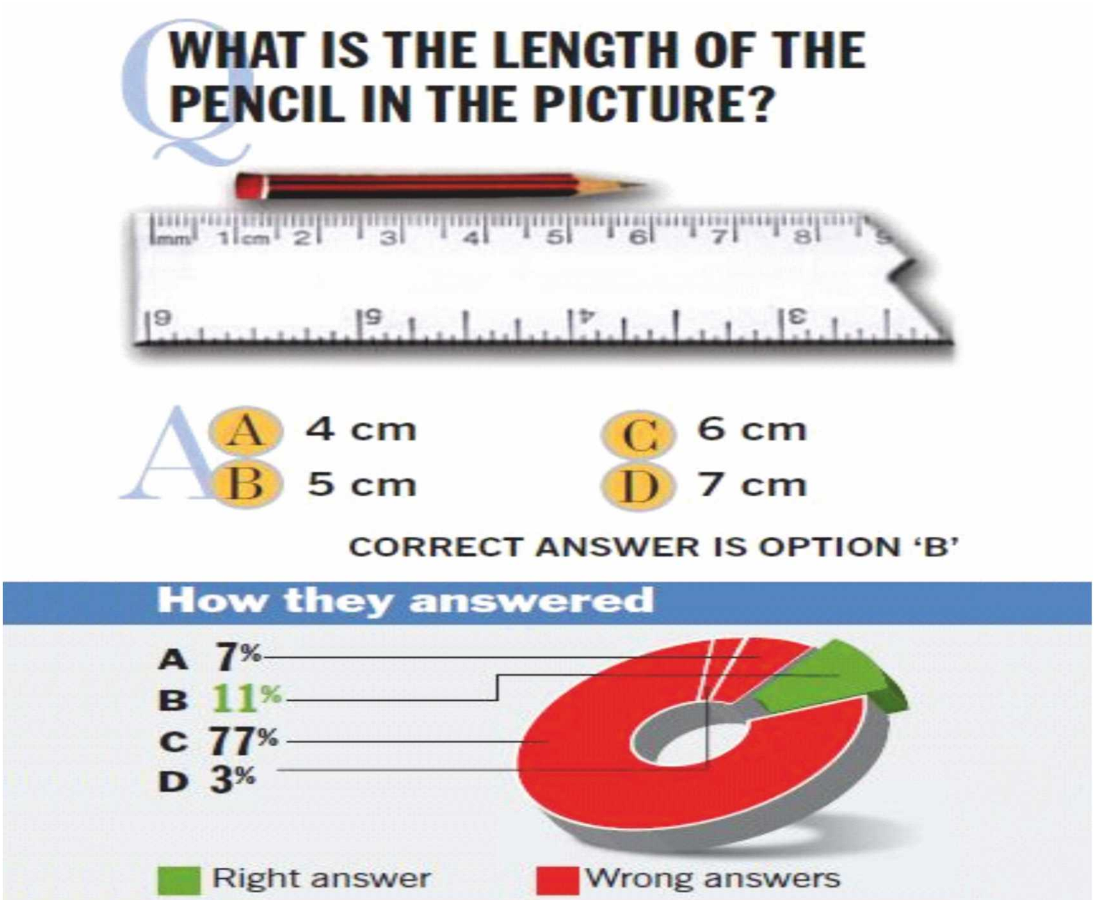

- पीसा एक त्रिवर्षीय अंतर्राष्ट्रीय सर्वेक्षण है, जिसका उद्देश्य 15 वर्ष के छात्रों, जो अपनी अनिवार्य शिक्षा के पूरी करने वाले हैं, के कौशल और ज्ञान परीक्षण द्वारा विश्वभर की शिक्षा प्रणालियों का मूल्यांकन करना है।
- भारत 12 वर्षों के अंतराल के बाद वर्ष 2021 में अंतर्राष्ट्रीय रूप से प्रख्यात पीसा में भागीदारी करेगा।
- पीसा, छात्र स्कूल शिक्षा का वास्तविक जीवन परिस्थिति से कैसे सामंजस्य करते हैं, का मूल्यांकन करता है।
- पीसा में बेहतर प्रदर्शन हेतु, छात्रों को अपने विभिन्न कौशलों जैसे दक्षता, पठन, विश्लेषणात्मक और आलोचनात्मक सोच आदि में सुधार की आवश्यकता है।
- **इस पोर्टल पर, विभाग नियमित आधार पर छात्रों और शिक्षकों दोनों के लिए विभिन्न खेल और प्रश्नोत्तरी अपलोड करेगा। इस पोर्टल तक पहुंच छात्रों के दक्षता स्तर में वृद्धि करेगी।**

डाटा संकलन निगरानी और निर्वचन में मदद के लिए सभी निगरानी और आंकड़ा विश्लेषण वेबसाइट एवं पोर्टल एक स्थान पर हों

स्कूल शिक्षा प्लस पर एकीकृत जिला सूचना प्रणाली (यूडाइस+)

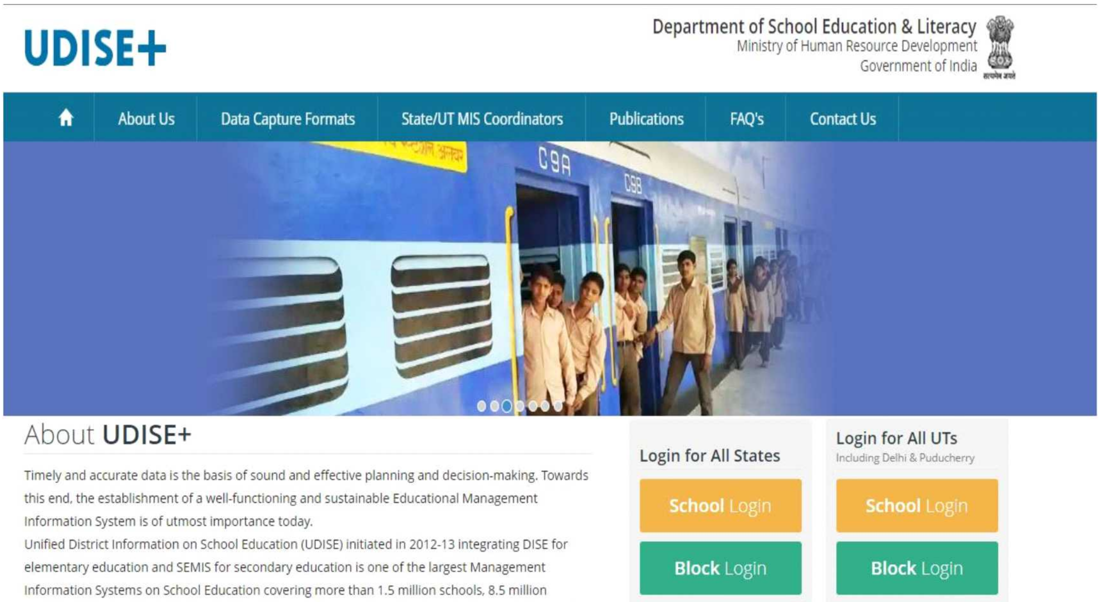

It covers more than:

- 1.5 million schools
- 8.5 million teachers
- 250 million children

- रियल टाइम क्रेडिबल डेटा की उपलब्धता नीति निर्माण के लिए पूर्णतया अनिवार्य है। इस चुनौती को पूरा करने के लिए यूडाइस+ डिज़ाइन और कार्यान्वित किया गया है।
- डेटा की समुचित अपलोडिंग सुनिश्चित करने के लिए, डेटा कैप्चर फ़ॉर्मेट (डीसीएफ) को युक्तिसंगत और आसान बनाया गया है। **वास्तविक समय सूचना** की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए, इंटरनेट के माध्यम से डेटा अपलोडिंग को सुनिश्चित किया जा रहा है। ऐसे क्षेत्र, जहाँ इंटरनेट सुविधा उपलब्ध नहीं है, फॉर्म को सॉफ्ट रूप में भरा जाता है और नजदीकी स्थान, जहाँ इंटरनेट कनेक्टिविटी की उपलब्धता है, से अपलोड किया जाना है।
- डेटा को अपलोड और सत्यापित करने वाले अधिकारियों की **पूर्ण परीक्षा ट्रेल** को डिजिटल हस्ताक्षर के अनुरक्षण के माध्यम से कार्यान्वित किया जा रहा है। इससे अपलोड की सूचना की गई जिम्मेदारी और विश्वसनीयता सुनिश्चित होती है।
- नियंत्रण और पर्यवेक्षण सुनिश्चित करने के लिए, यूडाइस+ प्रणाली को स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग में रखा गया है। प्रणाली का रख–रखाव भारत सरकार की आईटी शाखा के राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) के समर्पित कर्मचारियों द्वारा किया जाता है।

मॉनीटरिंग डैशबोर्ड-संक्षेप में सूचना

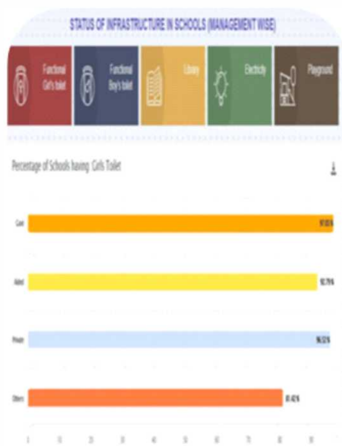

- डैशबोर्ड, संपूर्ण भारत और राज्य व संघ राज्य स्तर के प्रमुख निष्पादन सूचकांकों (जैसे स्कूलों की प्रबंधन–वार सूचना, विद्यार्थियों का नामांकन और शिक्षकों की संख्या, अवसंरचना की स्थिति) का स्नैपशॉट दिखाता है।
- यह स्वायत्त निकायों से संबंधित विभिन्न, मापदंडों की सूचना भी प्रदान करता है।

डेटा विश्लेषण-आंकड़ों का निर्वचन

- यूडाइज+ के माध्यम से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर, यह पोर्टल विश्लेषण और **साक्ष्य आधारित निर्णय** लेने के लिए आंकड़ों का व्यवस्थित रूप से प्रस्तुत करता है।
- मानक चार्ट और तालिका प्रदान करने के अलावा, डेटा विश्लेषण पोर्टल किसी भी **जांच आधारित विश्लेषण** को पूरा करने का प्रावधान करता है जिससे अनुसंधान गतिविधियों में सहायता मिलती है।
- **विश्व की सबसे इस बृहत्तम शिक्षा प्रणाली में एकत्रित किए गए बड़ी संख्या मात्र में आंकड़ों, सूचना की विविधता और एक कुशल और निर्बाध वास्तविक समय सूचना एकत्रीकरण प्रणाली द्वारा सक्षम डेटा की गति युक्त इस पोर्टल को बड़े डेटा विश्लेषकों और आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस आधारित एप्लीकेशन के लिए उपयोग किया जा सकता है।**

एक स्थान पर एप्स उपलब्ध होने के कारण पारदर्शिता और जवाबदेही में वृद्धि की जाएं

जीआईएस मैपिंग

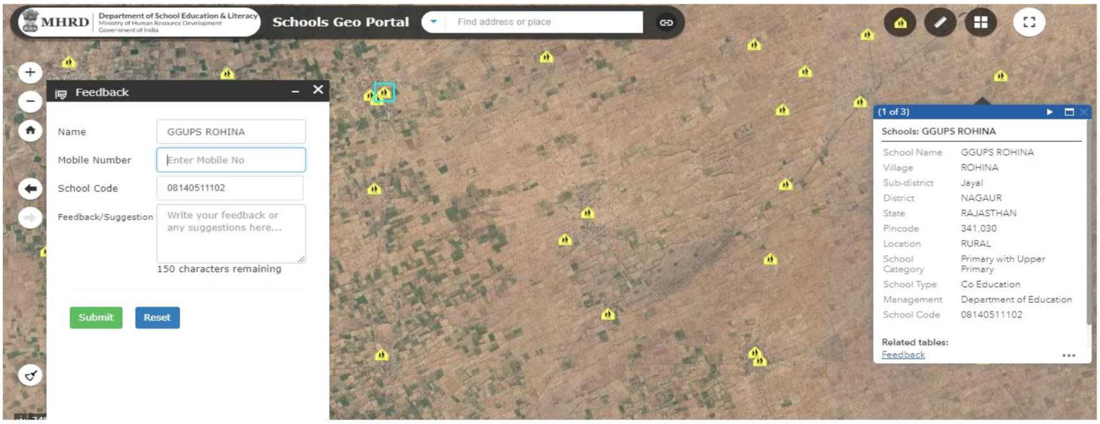

- जीआईएस आधारित मैपिंग, स्कूल के स्थलाकृतिक परिवेश के साथ–साथ, स्कूल के बारे में महत्वपूर्ण बुनियादी जानकारी देने वाला रिपोर्ट कार्ड दिखाती है। रिपोर्ट कार्ड यू–डाइज+ में प्रदान की गई जानकारी से बनाया जाता है, जिसे इस जंक्शन में भी होस्ट किया जाता है।
- यह ऐप आस–पास में स्कूलों की उपलब्धता, स्कूलों के बीच हवाई दूरी की तुलना में आवागमन–दूरी से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करता है, जिससे नीति निर्माताओं को सूचित निर्णय लेने में मदद मिलती है।
- नक्शों के **3 आयामी संस्करण** भी उपलब्ध हैं, जो स्कूलों के बीच वास्तविक दूरियों और पहाड़ी इलाकों में स्कूल पहुंचने में कठिनाई के स्तर की स्पष्ट समझ प्रदान करते हैं।

इस ऐप में एक **फीडबैक तंत्र** है, जिसके माध्यम से कोई भी नागरिक स्कूल के बारे में दी गई जानकारी की शुद्धता पर टिप्पणी कर सकता है। यह प्रणाली की पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ाने में मदद करेगा।

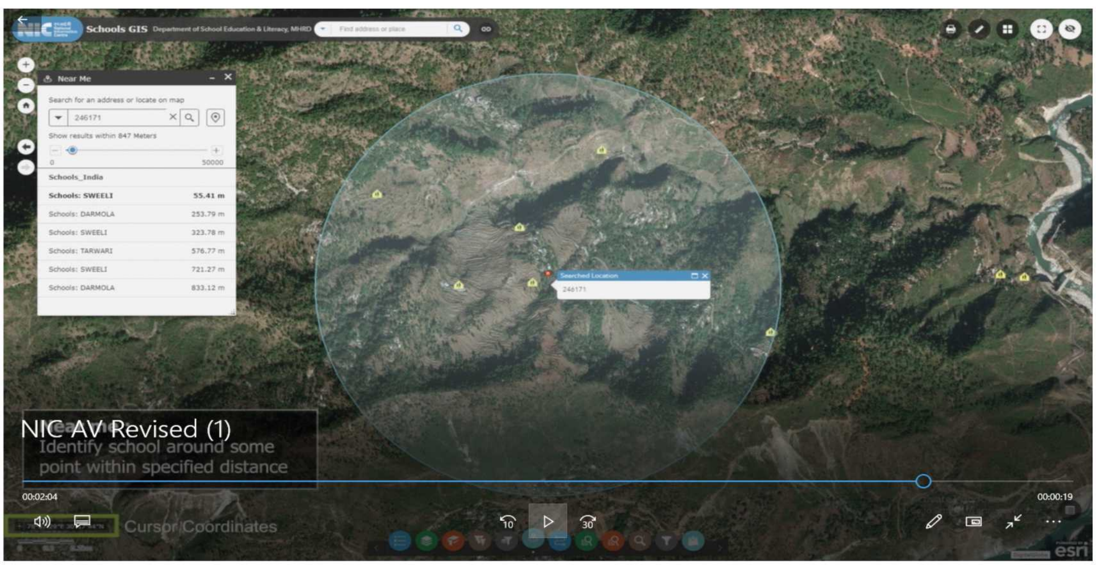

तृतीय पक्ष सत्यापन

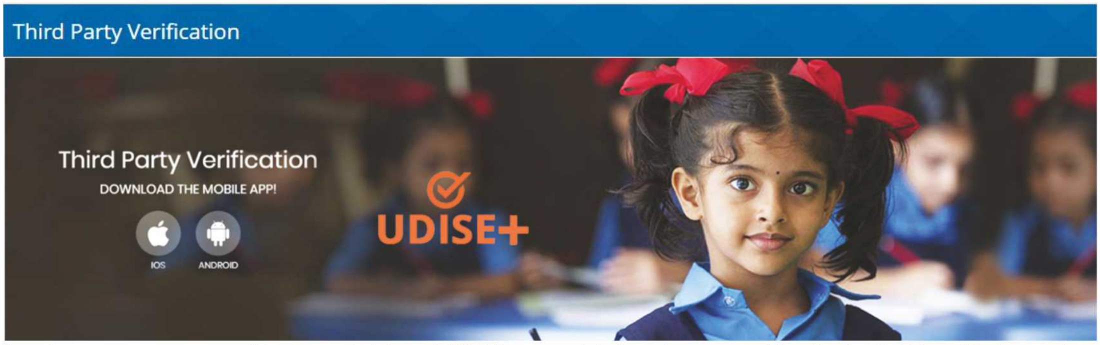

In order to ensure accuracy of data provided through UDISE +, a mobile based geo-tagged App for the Third Party Verification has been developed. The App can be used by several groups of users for random and regular uploading of data along with photographs and in case of any discrepancies in the data vis a vis what is uploaded on UDISE+, a discrepancy report will be generated automatically and transmitted to the department and to the respective States/ UTs for necessary action. Till the time the issue is settled amicably, the discrepancy report will remain alive. The App will also monitor the utilization resources for components of Samagra Shiksha like the library grants, grants for sports, equipment, grants for eco clubs etc.

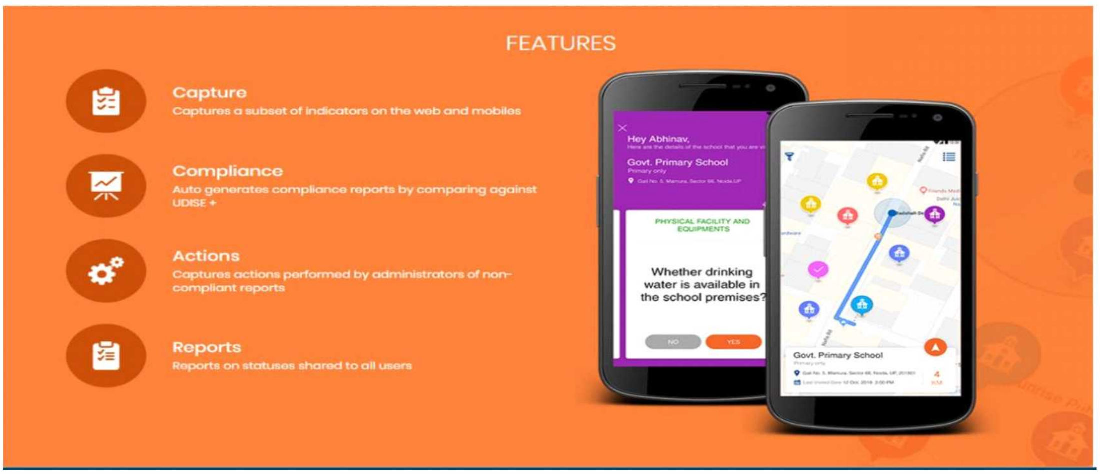

- तृतीय पक्ष **मोबाइल आधारित ऐप** का उपयोग यू–डाइज+ प्रणाली के माध्यम से प्रदान किए गए डाटा की सटीकता सुनिश्चित करने के लिए किया जाएगा।
- ऐप को तस्वीरों के साथ–साथ डाटा के यादृच्छिक और नियमित रूप से अपलोड करने के लिए उपयोगकर्ताओं के कई समूहों द्वारा उपयोग किया जा सकता है।
- ऐप समग्र शिक्षा के घटकों जैसे पुस्तकालय अनुदान, खेल के लिए अनुदान, उपकरण, इको क्लब आदि के लिए अनुदान के उपयोगिता संसाधनों की निगरानी भी करेगा।
- **एक ही स्थान पर इन सभी प्रणालियों और ऐप्स की उपलब्धता से नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं, प्रशासकों को संबंधित जानकारी तक पहुंचने में मदद मिलेगी।**

डाटा और यू-डाइज+ में अपलोड सामग्री में किसी भी तरह की विसंगतियों की स्थिति में, एक विसंगति रिपोर्ट स्वचालित रूप से निर्मित हो जाएगी और आवश्यक कार्रवाई के लिए विभाग और संबंधित राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को प्रेषित की जाएगी। जब तक यह मुद्दा सौहार्दपूर्ण ढंग से नहीं सुलझ जाता है, तब तक विसंगति की रिपोर्ट बनी रहेगी।

आंकड़ों और निगरानी से अंतर्संबंध बढ़ाने के लिए कार्य निष्पादन मापन उपकरणों की एक स्थान पर उपलब्धता

निष्पादन ग्रेडिंग सूचकांक (पीजीआई)

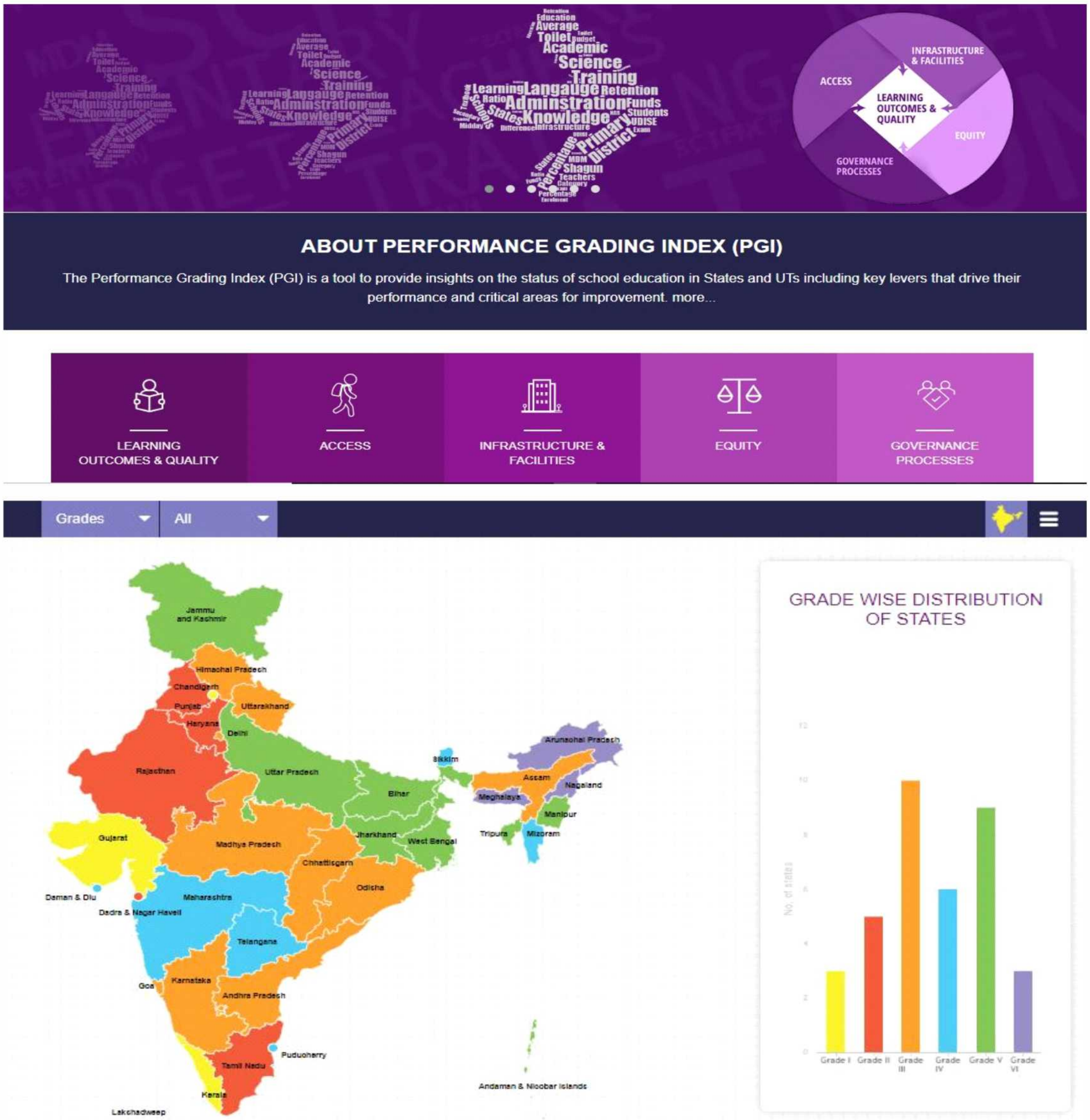

CATEGORY 1: OUTCOMES

- DOMAIN 1 - Learning Outcomes And Quality
- DOMAIN 2 - Access
- DOMAIN 3 - Infrastructure & Facilities
- DOMAIN 4 - Equity

CATEGORY 2: GOVERNANCE & MANAGEMENT

- DOMAIN 1 Governance Processes

GRADEWISE PERFORMANCE OF STATEs AND UTs

GRADE (WEIGHTS)	STATEs & UTs										NUMBER OF STATEs & UTs
Level I	NIL										
Level II	NIL										
Level III	NIL										
Grade I	Chandigarh	Gujarat	Kerala								3
Grade II	Punjab	Haryana	Rajasthan	Dadra & Nagar Haveli	Tamil Nadu						5
Grade III	Himachal Pradesh	Uttarakhand	Delhi	Assam	Odisha	Chhattisgarh	Madhya Pradesh	Andhra Pradesh	Karnataka	Goa	10
Grade IV	Sikkim	Mizoram	Daman & Diu	Maharashtra	Puducherry	Telangana					6
Grade V	Jammu & Kashmir	Uttar Pradesh	Bihar	Manipur	Tripura	West Bengal	Jharkhand	Lakshadweep	Andaman & Nicobar Islands		9
Grade VI	Arunachal Pradesh	Nagaland	Meghalaya								3
Level VII	NIL										

- पीजीआई राज्यों और संघ शासित प्रदेशों में स्कूली शिक्षा की स्थिति के बारे में जानकारी देने के लिए एक उपकरण है, जिसमें प्रमुख लीवर भी शामिल हैं, जो सुधार के लिए उनके प्रदर्शन और महत्वपूर्ण क्षेत्रें को प्रेरित करता है।
- पीजीआई को दो श्रेणियों अर्थात् परिणाम, और शासन तथा प्रबंधन में श्रेणीबद्ध किया गया है और इसमें कुल 1000 की अधिभारिता के साथ 70 संकेतक शामिल हैं।
- यू–डाइज+ प्रणाली की शुरूआत के साथ, जो डेटा की वास्तविक समय की उपलब्धता सुनिश्चित करता है, और पीजीआई के अधिकांश संकेतकों के डेटा को यू–डाइज+ से प्राप्त किया जाता है। राज्य और यूटी, जैसे ही डेटा अपलोड करते हैं, वे अपने अनंतिम ग्रेडिंग को देख सकेंगे। यह उन्हें उन क्षेत्रों में उपचारात्मक कार्रवाई करने का अवसर देगा जहां वे पिछड़ रहे हैं और इस प्रकार वे अपने समग्र ग्रेड में सुधार करते हैं।
- वर्ष 2017-2018 के लिए पीजीआई की रिपोर्ट के प्रकाशन के बाद, कई राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ने आने वाले वर्षों में बेहतर ग्रेड सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाए हैं।
- **सभी पोर्टल्स और वेबसाइटों के एकीकरण के कारण, उपयोगकर्ता जीआईएस आधारित ऐप के रिपोर्ट कार्ड और डाटा एनालिटिक्स पोर्टल की सारणियों और ग्राफों के माध्यम से प्रदान की गई जानकारी के साथ राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के प्रदर्शन को सह संबद्ध कर पाएंगे।**

राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा अपने कार्य निष्पादन से किए गए प्रयासों से संबंधित करने के लिए एक ही जंक्शन पर अच्छी परिपाटियों एवं नवाचारों तक पहुंच

रिपोजिटरी

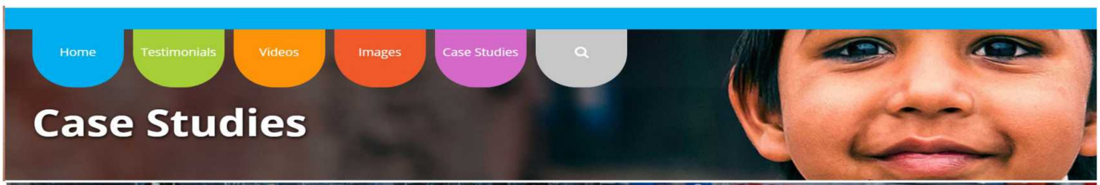

- ऑनलाइन रिपॉजिटरी भारत के सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की सकारात्मक कहानियों, अपनाई गई सर्वोत्तम कार्य प्रणालियों और किए गए नवाचारों पर ध्यान केंद्रित करती हैं, जिनसे स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में प्रदर्शन में सुधार हो रहा है।
- आज तक, रिपोजिटरी ने इस क्षेत्र में 4586 चित्रों, 305 वीडियो, 269 केस स्टडी और प्रेरक प्रसंगो और उदाहरणों के 151 साक्ष्य उपलब्ध कराए हैं।

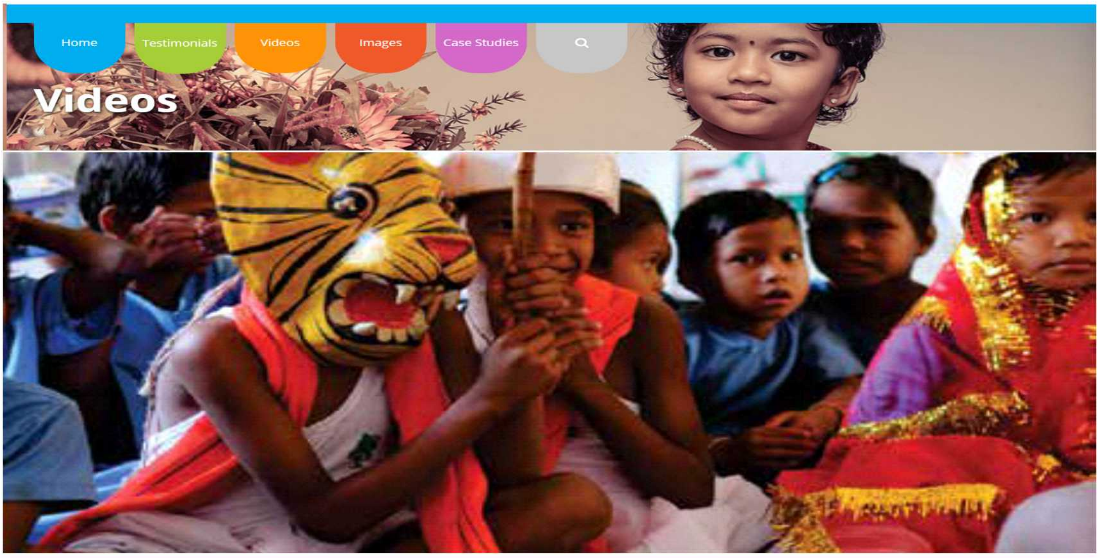

- मीडिया में आम धारणा के विपरीत, व्यक्तिगत रूप से और सामूहिक रूप से किए गए उत्कृष्ट प्रयासों के कई उदाहरण हैं, जिनसे शिक्षा प्रणाली पर व्यापक दूरगामी प्रभाव पड़ा है।
- अन्य बातों के अलावा, रिपॉजिटरी में शिक्षक पुरस्कार से संबंधित वीडियो हैं, जो यह दर्शाता है कि दूर दराज के क्षेत्रें में कैसे प्रेरित शिक्षकों ने अनेक बाधाओं का सामना किया है और शिक्षा परिदृश्य में दीर्घकालिक सकारात्मक बदलाव लाए हैं। इस तरह के उदाहरणों को साझा करने से निश्चित रूप से देश भर के शिक्षण समुदाय को प्रेरित किया जा सकेगा।
- **जंक्शन में इस पोर्टल का एकीकरण करने से राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को उनके किए गए प्रयासों के साथ उनके प्रदर्शन के साथ तुलना करने में मदद मिलेगी।**

आगे के कार्य

एकीकृत राष्ट्रीय स्कूल शिक्षा कोषागार (ईनर्सट) स्थापित करना

विशेषताएंः

ईनर्सट देशभर के छात्रों, शिक्षकों और स्कूलों से संबंधित सभी मापदंडों के लिए पूरी तरह से एकीकृत, तत्काल सुलभ और सहज सूचना नेटवर्क की परिकल्पना करता है।

ईनर्सट की स्थापना के लिए भावी कदमः

- हितधारकों से प्राप्त प्रतिक्रिया के माध्यम से एकीकृत ऑनलाइन जंक्शन के डाटा को फिर से सुदृढ़ और शुद्ध करना;
- उन वेबसाइटों, पोर्टलों और अनुप्रयोगों के बीच पूर्ण अंतर–संचालन सुनिश्चित करना जो पहले से ही जंक्शन पर उपलब्ध हैं;
- राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की कुछ प्रासंगिक एमआईएस प्रणालियों को एकीकृत कर और शेष डीआईईटी, नवोदय विद्यालय, आदि की वेबसाइटों को एकीकृत कर जंक्शन के स्तर को बढ़ाना;
- सूचना की सुलभ बहु–पर्यावरणीय प्रणाली (स्कूल–वार, ब्लॉक–वार, जिला–वार, निर्वाचन क्षेत्र–वार, राज्य–वार, क्षेत्र–वार) बनाना;
- क्विज़ और पहेलियाँ सहित उच्च गुणवत्ता वाली ई–सामग्री बनाना, जिससे छात्रों की सीखने की क्षमता और योग्यता को बढ़ाया जा सके;
- शिक्षकों के लिए ई–सामग्री तैयार करना जिसे कक्षा में शिक्षण के दौरान शामिल किया जा सके;
- स्कूल शिक्षा क्षेत्र के लिए संसाधन आवश्यकताओं का आकलन और अनुमान लगाना;
- साक्ष्य आधारित हस्तक्षेपों को डिजाइन करने सहित स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए विभिन्न तरीकों से कृत्रिम बुद्धिमत्ता और गहरी मशीन–शिक्षा का उपयोग करना।

सत्यमेव जयते

भारत सरकार

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी)

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

शास्त्री भवन, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद रोड, नई दिल्ली-110001

Concept & Design by Nirman Advertising Pvt. Ltd., # 9811043192